Title : Request to set up a Super Speciality Unit and a dedicated Burn Unit in the Medical College Hospital in Jagannath Puri

**डॉ. संबित पात्रा (पुरी) :** नमस्ते माननीय महोदया जी, आपने मुझे यहां अपना विषय रखने का मौका दिया है।

जैसा कि विदित है, मेरे लिए यह गर्व का विषय है कि मैं जगन्नाथ पुरी धाम से पहली बार सांसद बनकर आया हूं।

महोदया जी, आप सभी ने देखा होगा, गणमान्य के माध्यम से देखा होगा, टीवी में देखा होगा कि सात और आठ तारीख को रथयात्रा थी। लगभग 25 लाख श्रद्धालुओं का आवागमन पुरी में हुआ था। कहने का तात्पर्य यह है कि पुरी एक ऐसा शहर है, ऐसा धाम है, जहां लाखों लोग महाप्रभु जगन्नाथ जी के दर्शन के लिए आते हैं।

मेरा प्रश्न आज स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर केंद्रित है और मैं स्वास्थ्य मंत्रालय का ध्यानाकर्षण करना चाहता हूं। एक अनहोनी 29 मई, 2024 को घटी थी, जब जगन्नाथ जी की यात्रा से पहले एक नीति चल रही थी, जिसे चंदन यात्रा कहते हैं। नरेन्द्र पोखर में प्रभु स्नान करने आए थे। उसे ?चाप खेलना? कहते हैं, उस समय आए थे, तो वहां आगजनी की एक दुर्घटना में लगभग 17 लोगों की मृत्यु हो गई थी। मृत्यु का एक मुख्य कारण यह भी रहा कि सबसे नजदीकी अस्पताल, जहां ?बर्न्स यूनिट? अवेलेबल है, डेडिकेटिड बर्न्स यूनिट अवेलेबल है, वह लगभग 70 किलोमीटर दूर भुवनेश्वर में स्थित है। जगन्नाथ पुरी धाम में कोई भी बर्न यूनिट नहीं होने के कारण 17 लोगों की जान गई और कई लोग अभी भी अस्पताल में खराब हालत में हैं। वही कारण रहा कि 4 तारीख को जब नतीजे आये, हमारी जीत हुई, हमारे कई विधायकों की भी जीत हुई, हम लोगों ने नम आँखों से उन लोगों को उस दिन विदाई दी।

आज मैं आप सबसे अपील करना चाहता हूँ, आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्रालय को अपील करना चाहता हूँ कि श्री जगन्नाथ धाम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, जो कि केन्द्रीय मंत्रालय के अवदान से वहाँ खोला गया है, वहाँ 308 बेडेड हॉस्पिटल है, अनुदान केन्द्रीय मंत्रालय का है। इसलिए मैं निवेदन करूँगा कि वहाँ एक डेडिकेटेड बर्न यूनिट खोली जाए। केवल डेडिकेटेड बर्न यूनिट ही नहीं, उस अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी यूनिट भी खोली जाए, क्योंकि पुरी कोई साधारण स्थान नहीं है। वहाँ लाखों लोगों का आवागमन होता है। कई बार हमने देखा है कि वहाँ रथ यात्रा के समय अगर लोगों को हार्ट अटैक आ जाता है तो गोल्डन फेज, गोल्डन पीरियड़, जो कुछ घंटों का होता है, उसके अंदर डॉक्टरखाना या अस्पताल नहीं पहुँचने के कारण वे मृत्यु को वरण करते हैं। इसलिए मेरा निवेदन है कि इसे बहुत ही महत्वपूर्ण रूप से धारण किया जाए और एक डेडिकेटेड सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल उस मेडिकल कॉलेज में खोला जाए। धन्यवाद।